अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व विज्ञ (वर्ष : 2024) दिनांक : 24.08.2024

समय सीमा : 3 घंटा प्रथम वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

भगवती भाष्य (खण्ड-1)–70

प्र. 1 कोई छह पारिभाषिक शब्द लिखें– 6

(क) भवोपग्राही कर्मों से प्रति समय मुक्त होना।

(ख) जो केवल धर्मश्रवण के लिये आचार्य के पास रहे।

(ग) जिसके एक योजन तक कोई दूसरा गाँव न हो।

(घ) जो जीव अमनस्क भव से मरकर समनस्क भव में उत्पन्न होता है उसे क्या कहते हैं?

(ड़) दिगम्बर परम्परा में एकेन्द्रिय जीवों के अस्थि रचना को क्या माना गया है?

(च) पुरूष के शरीरमान से अधिक प्रमाण वाला।

(छ) जो देव अभी च्युत नहीं हुआ है, किंतु व्यमान अवस्था के लक्षण प्रकट हो चुके हैं।

(ज) जिसके सिर पर श्रीदेवी से अंकित सोने का पट्टा बंधा रहता है।

प्र. 2 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें– 6

(क) स्थान मार्गणा से क्या तात्पर्य है?

(ख) गर्हा क्यों की जाती है?

(ग) निर्हारिम और अनिर्हारिम किसे कहते हैं?

(घ) लोक की उपमा किससे की गई है?

(ड़) दो परमाणु पुद्गलों की संहति किस कारण से होती है?

(च) हव्वं शब्द के कितने अर्थ हैं? इसका प्रयोग कहां होता है?

(छ) आनुगामिता का अर्थ बताएं।

(ज) उर्ध्वजानु अधःसिर के दो अर्थ क्या हैं?

प्र. 3 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर तीन या चार पंक्तियों में दें– 30

(क) असंवृत्त का क्या अर्थ है?

(ख) ग्रंथ गौरव से बचने के लिये किस शैली का विकास हुआ तथा कौन से ग्रंथ की रचना इस उद्देश्य से की गई?

(ग) सर्वाक्षर सन्निपाति लब्धि से क्या तात्पर्य है?

(घ) वेदना के प्रकारों का वर्णन करें।

(ड़) 'वण्णवज्झ' शब्द से क्या तात्पर्य है?

(च) अनादि पारिणामिक और सादि पारिणामिक भाव से क्या तात्पर्य है?

(छ) भाव शल्य मरण और द्रव्य शल्य मरण किसे कहा गया है? यह किसके होता है?

(ज) उद्‌वर्त्तमान और उदवृत्त किसे कहते हैं?

(झ) अवधारिणी भाषा किसे कहते हैं?

(ञ) मुनि को अबहिर्लेश्य और श्रामण्यरत क्यों कहा है?

(ट) उत्पन्न ज्ञान दर्शनधर किसे कहा जाता है और क्यों?

प्र. 4 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में 5-7 पंक्तियों में दें– 15

(क) असंयत भव्य देव किसे कहा जाता है और इसमें कौन से श्रमणों का समावेश किया गया है?

(ख) ध्यान कोष्ठक किसे कहते हैं?

(ग) संज्ञीभूत, असंज्ञीभूत, मायी मिथ्यादृष्टि, अमायी सम्यक् दृष्टि जीवों की वेदना का यंत्र लिखें।

(घ) असहेज्ज शब्द का क्या तात्पर्य है? इसके दो अन्य अर्थों पर प्रकाश डालें।

प्र. 5 जगत की संरचना के घटक तत्त्व कितने हैं? उनका विस्तार से वर्णन करते हुए घनोदधि, घनवात एवं तनुवात की वैज्ञानिक मीमांसा करें।

अथवा

समुद्‌घात का अर्थ बताते हुए उसके प्रकारों का विस्तार से वर्णन करें। 13

झीणी चर्चा–30

प्र. 6 कोई दस प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में दीजिये– 10

(क) द्रव्य लेश्या एवं भाव लेश्या कितने स्पर्श वाली होती है?

(ख) छह कर्मों (नाम एवं मोहनीय छोड़) का उदय निष्पन्न भाव छह द्रव्यों में कौन, नौ तत्त्वों में कौन? सावद्य या निरवद्य?

(ग) चतुर्थ गुणस्थानवर्ती जीव में जघन्यतः एवं उत्कृष्टतः कितने भाव होते हैं?

(घ) सिद्ध आत्माओं में सम्यक्त्व होता है पर संवर नहीं होता, क्यों?

(ड़) तेरहवां गुणस्थान कितने एवं कौन से भाव में होता है और नव पदार्थ में किस पदार्थ में होता है?

(च) समुच्चय की दृष्टि से पुद्गल किस भाव में होता है?

(छ) अठारह पापों का सम्बन्ध कौन से कर्म के साथ है तथा सतरह पापस्थानों के क्षय से क्या उपलब्ध होता है?

(ज) चौथे गुणस्थान में क्षायिक सम्यक्त्व का छह द्रव्यों में किस द्रव्य में तथा नव पदार्थ में किन पदार्थों में समावेश होता है?

(झ) क्षायिक सम्यक्त्वी यदि आठवें गुणस्थान से उपशम श्रेणी पर आरोहण करता है तो उसके कितने भाव होते हैं?

(ञ) किस आत्मा से कर्म का निरोध होता है?

(ट) व्रत कौन सा भाव और कौन सी आत्मा?

प्र. 7 कोई तीन पद्यों का शब्दार्थ करें– 12

(क) मोह कर्म रो उदै-निपन छै, असुभ-लेस्या त्रिहुं व्याप।
पाप कर्म बंधै एह थी, सात कर्म सूं नहिं बंधै पाप।।

(ख) हिंसा, झूठ, अदत्त मैथुन परिग्रहो टालै पिण तिहां चारित्र नांय।
ए गुण चारित्र मोह नां, खयोपशम थी प्रगटाय।।

(ग) तीजे षट् कहिवाय रे, ज्ञान चारित्र टली।
उदै मांहि मिश्र-मोहणी ए।।
चौथे कहियै सात रे, त्यां चारित्र नहीं।
चिहुं सम्यक्त रलियामणी ए।।

(घ) रस परित्याग निर्जरा मांहि, आंबिल नीवी आयो जी।
ए सहु कर्म काटण री करणी, जोग आतम सुखदायो जी।।

(ड़) उपशम खायक सम्यक्त वालो, श्रेण चढ़ै तिण वारी रे।
चारित्र-मोह दबावै, दर्शन-मोह उदो पहिली वारी रे।।

प्र. 8 ढाल छह के अनुसार किस-किस गुणस्थान में आश्रव के कितने बोल पाते हैं एवं उन गुणस्थानों में कौन सी क्रियाएं होती है, विस्तार से समझायें। 8

अथवा

कर्मों के क्षय निष्पन्न भाव का छः द्रव्यों एवं नव तत्त्वों में कहां समवतरण होता है? तथा इससे जीव के कौन से गुण उपलब्ध होते हैं?